प्रस्ताव

वार्षिक आम सभा बैठक

सुरक्षा • विकास • जागरण • एकता

अप्रैल 15th & 16th, 2017

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच

Forum for Awareness of National Security

गुरुग्राम

प्रस्ताव क्र.-4

भारत-इजरायल संबंध

भारत और इजरायल के संबंध सदियों पुराने हैं। सितंबर,1918 में तुर्किस्तान से हाइफा पोर्ट को आजाद कराने में भारत का योगदान और सैकड़ों जवानों का बलिदान सर्वविदित और दस्तावेजों में दर्ज है। यह हाइफा पोर्ट बाद में इजरायल का हिस्सा बन गया।

भारत जब ब्रिटिश शासन से आजाद हुआ,करीब-करीब उसी समय इजरायल का भी एक स्वतंत्र देश के रूप में उदय हुआ लेकिन राजनीतिक बाध्यताओं की वजह से दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध काफी बाद में स्थापित हुए।
भारत आगे चलकर गुट-निरपेक्ष आंदोलन का सदस्य बन गया जबकि इजरायल, अमेरिका और यूरोपीय समूह में शामिल हो गया। भारत की बड़ी मुस्लिम आबादी उन कारकों में से एक रही, ताकि यह अरब देशों के साथ उसके संबंधों पर असर न डाल सके।
भारत ने 1950 में इजरायल को एक सम्प्रभु देश के रूप में मान्यता दे दी थी लेकिन उसके साथ राजनयिक संबंध स्थापित नहीं कर पाए। भारत काफी परिश्रम से फिलिस्तीन और इजरायल,दोनों के साथ अपने संबंधों को संतुलित रखा। हालांकि, फिलिस्तीन इजरायल का कट्टर दुश्मन देश है। इस तरह के संबंधों को संतुलित बनाए रखने का श्रेय भारत को जाता है। एक-दूसरे को संजीदगी से लेते हुए भारत और इजरायल दोनों एक-दूसरे के प्रति सहानुभूतिपूर्ण रहे और व्यापार, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा दिया। जबकि इजरायल के साथ भारत के पूर्ण राजनयिक संबंध 1992 में स्थापित हुए।

इजरायल वर्ष 1980 से रक्षा उपकरणों का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा है। पाकिस्तान के साथ 1999 में कारगिल लड़ाई के दौरान मुश्किल समय में इजरायल ने भारत की मदद की। कुछ महत्वपूर्ण रक्षा उपकरण जो और कहीं उपलब्ध नहीं थे, उन्हें इजरायल ने आपूर्ति की। यही नहीं, इन उपकरणों को बनाने एवं उनके विकास में भी इजरायल ने हमारी मदद की। इजरायल के साथ हमारे रक्षा कारोबार अरब डॉलर मूल्य के हैं। इस प्रकार, इजरायल एक

विश्वसनीय रक्षा सहयोगी है। रक्षा प्रौद्योगिकी एवं कृषि क्षेत्र में हमारे लोगों को प्रशिक्षित करने में इजरायल ने हमारी मदद की है। इसके अलावा हाइफा की आजादी की लड़ाई में अपनी शहादत देने वाले हमारे बहादुर जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए इजरायल ने एक स्मारक का निर्माण कराया है। हाइफा की लड़ाई में जान देने वाले हमारे जवानों की बहादुरी एवं बलिदान के किस्से इजरायल की पाठ्य पुस्तकों में दर्ज हैं।

भारत हर साल 23 सितंबर को हाइफा दिवस मनाता है। हाइफा दिवस समारोह में इजरायल के राजदूत सहित दूतावास के कर्मचारी हिस्सा लेते हैं। हाइफा की लड़ाई लड़ने वाले उन वीर जवानों की याद में तीन मूर्ति चौक स्थित इस स्मारक का नामकरण तीन मूर्ति हाइफा चौक किया जा रहा है। फोरम फॉर अवेयरनेस ऑफ नेशनल सिक्योरिटी (फैन्स) ने सितंबर 2018 के शताब्दी समारोह में शरीक होने के लिए इजरायल का दौरा करने की पेशकश की है।

फैन्स संकल्प:

1-इजरायल के साथ परस्पर रक्षा, कृषि, सामाजिक व्यस्तता बढ़ाएं। इजरायल हमारे कार्यक्रम 'मेक इन इंडिया' में हमारी सहयोग करेगा।

2- इजरायल के साथ पारस्परिक आदान-प्रदान अवश्य ही बनाए रखा जाना चाहिए।